‘सृजन’ (हिंदी रचनात्मक लेखन समिति)

रिपोर्ट 2022

संयोजक: प्रो. सुषमा सहरावत

कमला नेहरु कॉलेज की हिंदी रचनात्मक लेखन समिति ‘सृजन’ तथा जवाहरलाल नेहरु राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा **16 मार्च 2022** को दोपहर 1 बजे से **"विद्या विस्तार योजना" के अंतर्गत "आज़ादी का अमृत महोत्सव" मनाते हुए "आत्मनिर्भर भारत" पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार** का आयोजन किया गया।वेबिनार का **विषय "हिन्दी का बदलता स्वरूप और रोज़गार के अवसर"** था। मुख्य वक्ता के रूप में नवीन रांगियाल जी उपस्थित थे। रांगियाल जी एक प्रसिद्ध पत्रकार, कवि और लेखक हैं।कार्यक्रम का शुभारंभ समिति की संयोजक प्रो. सुषमा सहरावत द्वारा रांगियाल जी के विधिवत् स्वागत से हुआ. तत्पश्चात समिति के शिक्षक सदस्य डॉ. मनोज कुमार ने वेबिनार का संचालन करते हुए समिति की छात्रा सचिव प्रिया शुक्ला को मंगलाचरण के लिए आमंत्रित किया। इसके उपरांत डॉ. मनोज कुमार ने मुख्य वक्ता रांगियाल जी का समुचित परिचय देकर उन्हें अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया। रांगियाल जी ने वेबिनार के विषय को ध्यान में रखते हुए पहले हिन्दी के बदलते स्वरूप से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए, तत्पश्चात हिंदी विषय और भाषा से जुड़े रोज़गार के अवसरों पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी लेखन और पाठन के अतिरिक्त राष्ट्रीय -अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी में रोज़गार की संभावनाओं को उजागर किया. सिनेमा जगत व रेडियो क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता तथा डबिंग, सबटाइटल, हिन्दी अनुवाद, शोध कार्य, स्क्रिप्ट लेखन, आदि में रोज़गार के बढ़ते अवसरों को बताते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा आगामी भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने हिंदी में

अपने भविष्य की दिशा निर्धारित करने सम्बंधित विविध प्रश्न रांगियाल जी से पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का शमन किया. कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा और लगभग 100 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक इसमें प्रतिभागिता की।जवाहरलाल नेहरु राजकीय महाविद्यालय, पोर्ट ब्लेयर से श्री उमेश चंदर दास, श्री अजीत बैरवा, श्री एस. के. फ़िरोज़ अली तथा अन्य प्रतिभागियों की उपस्थिति सराहनीय रही. वेबिनार में सृजन समिति के शिक्षक सदस्य- प्रो. सुषमा सहरावत, डॉ. मनोज कुमार तथा डॉ. नीरू कुमारी सहित समिति की छात्रा सदस्यों का सहयोग प्रशंसनीय रहा. अंत में समिति की संयोजक प्रो. सुषमा सहरावत ने रांगियाल जी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उपस्थित सभी श्रोताओं, सृजन समिति की सदस्य छात्राओं एवं शिक्षक सदस्यों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

"सृजन" द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए **एक दिवसीय "काव्य विधा रचनात्मक लेखन कार्यशाला** एवं **कविता लेखन** अंतर्महा**विद्यालय प्रतियोगिता** " का आयोजन दिनांक **19 अप्रैल 2022 को 10:30 बजे से 1:30 बजे तक कॉलेज के नव संगोष्ठी कक्ष में** किया गया. कोरोना काल के बाद सृजन समिति द्वारा आयोजित किया गया यह पहला ऑफलाइन मोड में आयोजित कार्यक्रम था और इसीलिए सभी ने अत्यंत उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया**।**

कार्यक्रम का शुभारंभ समिति की संयोजक प्रो**.** सुषमा सहरावत द्वारा काव्य विधाओं के प्राचीन एवं नवीन स्वरुप पर तथा इस कार्यशाला के उद्देश्य प्रकाश डालते हुए हुआ। तत्पश्चात हिन्दी विशेष की छात्रा प्रिया शुक्ला ,निधि कुमारी, जूही कुमारी, मोनिका द्वारा मंगलाचरण के रूप में सरस्वती वंदना का गायन किया गया**.** विशिष्ट अतिथि श्री लक्ष्मीशंकर वाजपाई तथा श्री नरेश शांडिल्य जी तथा समिति की संयोजक प्रो.सुषमा सहरावत, शिक्षक सदस्यों डॉ**.** मनोज कुमार , कांति मीना जी**,** डॉ**.** कुमारी **,** डॉ**.** नीरू अनीता द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया

। समिति की छात्रा अध्यक्ष साक्षी झा द्वारा कार्यशाला का संचालन किया गया , समिति की संयोजक प्रो.सुषमा सहरावत ने कार्यशाला के प्रस्तुतकर्ता श्री लक्ष्मीशंकर वाजपाई और श्री नरेश शांडिल्य जी का विधिवत स्वागत किया गया तथा समिति सचिव प्रिया शुक्ला ने श्री लक्ष्मीशंकर वाजपाई जी का परिचय और उप सचिव जायत्री ने नरेश शांडिल्य जी का परिचय देकर उन्हें सादर आमंत्रित किया। लक्ष्मीशंकर वाजपाई जी ने अपनी प्रस्तुति में कविता लेखन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रासंगिकता और महत्त्व को बताया। उन्होंने मध्यकालीन और आधुनिक साहित्य से कवियों और लेखकों की रचनाओं से कविता की सिद्धांतकी को स्पष्ट किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में दो तरह की कविताओं का वर्णन किया छंदबद्ध कविता और छंदमुक्त कविता ।उन्होंने बताया कि संवेदना की तीव्रता से कविता लिखी जा सकती है । उन्होंने मुक्तक ,शायरी ,गज़ल, दोहा, हाइकु, माहिया,टप्पा आदि **काव्य विद्याओं की रचनात्मक विशेषताओं को उदाहरणों सहित समझाया** ।उन्होंने कविता लेखन के आंतरिक पहलुओं को अत्यंत प्रभावी तरीके से उजागर किया। तत्पश्चात समिति की संयोजक प्रो .सुषमा सहरावत ने उनका धन्यवाद एवम आभार प्रकट किया।

कार्यशाला के अगले चरण में समिति की अध्यक्ष साक्षी झा ने समिति के शिक्षक सदस्य डॉ. मनोज कुमार को नरेश शांडिल्य जी का विधिवत स्वागत करने के लिए आमंत्रित किया । नरेश शांडिल्य जी ने अपने वक्तव्य में कविता लेखन के व्यावहारिक पक्ष को उजागर किया।उन्होंने कविता के सूक्ष्म बिंदुओं पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए अन्य पहलुओं जैसे सामाजिक,व्यवसायिक ,राजनीतिक ,आर्थिक, दार्शनिक ,तकनीकी दृष्टि से कविता लेखन का महत्त्व बताते हुए कार्यशाला को अत्यंत रोचक बनाया। उन्होंने **दोहा तथा माहिया काव्य विधा की रचनात्मकता को समझाते हुए इसके स्वरचित उदाहरण प्रस्तुत किए.** इसके बाद प्रो.सुषमा सहरावत ने नरेश शांडिल्य जी का विधिवत धन्यवाद किया।कार्यशाला के

अगले चरण में "कविता लेखन अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता " का आयोजन किया गया जिसमें अनेक छात्र छात्राओं ने कविता लिखकर उसका वाचन कर सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा :

प्रथम पुरस्कार :विवेकानंद, हंसराज महाविद्यालय

द्वितीय पुरस्कर :महिमा, कमला नेहरु महाविद्यालय

तृतीय पुरस्कार: महबूब, वेंकटेश्वर महाविद्यालय

प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार :नीतीश

द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार :गरिमा सिंह

अंत में समिति की संयोजक प्रो. सुषमा सहरावत ने निर्णायक मंडल का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं तथा प्रतिभागियों , उपस्थित सभी लोगों तथा "सृजन" समिति के कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया।